

ब्यूटी और मेहंदी कला का 'दीक्षांत' समारोह

विशेष संवाददाता ■ मुंबई

मोलीब्यार मैदान स्लम की 30-35 लड़कियों के लिए गुरुवार का दिन खास था। वे काफ़ी कोट, सिर पर लटकते गोंडे वाली काली चौकोनी टोपी पहनी हुई थीं, मानो यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में डिग्रियां लेने आईं हों। खैर यहां डिग्रियां तो नहीं पर मुंबई के पुलिस आयुक्त अरुण पटनाईक और एसएनडीटी की कुलपति वसुधा कामत के हाथों उन्हें सर्टिफिकेट दिए गए। बांद्रा के उत्तर भारतीय संघ भवन में इकट्ठा यह लड़कियां उनसे ब्यूटी और मेहंदी कोर्स के सर्टिफिकेट पाकर गर्व महसूस कर रही थीं।

ब्यूटी और मेहंदी कोर्स का सर्टिफिकेशन कोई बड़ी बात नहीं, बहुत छोटी बात है, बहुत कॉमन भी है पर केंद्र सरकार से संलग्न मानव संसाधन संस्था ने जिस गरिमा के साथ यह 'दीक्षांत' समारोह किया, उससे झोपड़पट्टी में रहनेवाली इन

लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ा है।

श्री पटनाईक और श्रीमती कामत ने उन्हें इस सर्टिफिकेट के मायने समझाते हुए देश की जीडीपी में योगदान करने के लिए उन्हें हासिल कुशलता का उपयोग करने का आह्वान किया। संस्था की ट्रस्टी उमा प्रभु ने बताया कि समाज के



बंधित वर्ग को बोकेशनल ट्रेनिंग देना ही संस्था का मकसद नहीं है, इस वर्ग को प्रतिष्ठा दिलाना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना, उन्हें रोजगार के लिए तैयार करना मुख्य मकसद है। इसलिए दीक्षांत समारोह जैसा समारोह आयोजित किया गया। मानवसंसाधन संस्था गत 16 साल से उपेक्षित वर्ग

को उन्नती के लिए सेवार्त है। देश भर में उसके 55 केंद्र हैं। गुरुवार को उसके कार्यक्रम में पूर्व डीबी डी शिवानंदन, पूर्व मुंबई कमिश्नर डॉ. परमरिचा, इनकम टैक्स कमिश्नर वैष्णु पाणी, पूर्व शेरिंग मोहन पटेल, आई टी विशेषज्ञ जयवीर इगनी, गायिका पद्मजा फेणानी आदि गणमान्य उपस्थित थे।

Beauty biz gives them reason to smile

Puja Pednekar

For the 22-year-old Kalpani Khanbhe, a pair of scissors, hairbrush and a hairdyeer have become unlikely tools of emancipation. Forced to discontinue her studies after class X to help her widowed mother, Khanbhe only regained her lost confidence after training for three months to turn a beautician, who now works with industry professionals.

Harbouring a dream to become a teacher, Khanbhe said, "With the money I will make working as a beautician, I will fund my further education for which I have already enrolled in a distance education BA course from the Yashwantrao Chavan Maharashtra Open University (YCMOU)."

Similarly, Reshmi Khan's father owns a cycle shop and



The first batch of rural and urban women whom Geetel Salon trained in beauty care graduated on Wednesday. —Prakash Parnekar/DNA

they could never afford luxuries such as cosmetics. "I was fascinated by the actresses on screen and how makeup could transform even the dullest faces into beauties. Having worked and experimented with different shades and styles, I want to open my own salon and beauty school

graduate in the cosmetic industry on Thursday. To give them a sense of achievement and dignity, a special convocation was held for these 100 special women. "At 32, I attended my first convocation ceremony, with my husband and five-year-old son watching me receive my certificate donning the bachelor's black robes and the convocation hat," said Sonal Ansal.

Geetel Salon was launched at MSVS's premises at Vakhola in Santacruz East. Over 100 women from the locality have benefited from this unique programme spread three months. Uma Prabhu, Trustee, MSVS, said, "These women enrolled for the training battling different realities like family pressure, social protests and poor financial conditions. It was not easy for them."